सं.मा. पू. भू. जैन राजकीय महाविद्यालय

शिवगंज – 307027 जिला – सिरोही (राजस्थान)

दूरभाष : 02976–272559 E-mail – govt.collegesheoganj@gmail.com

त्रैमासिक डिजिटल पत्रिका – वैचारिकी

प्रथम अंक – सितम्बर 2017

भारत सरकार के महत्वाकांक्षी डिजीटल इंडिया व पेपरलेस इंडिया बनाने के स्वप्न को साकार रूप देने के एक अभिनव प्रयास के रूप में महाविद्यालय प्रशासन द्वारा डिजीटल स्वरूप में त्रैमासिक पत्रिका के प्रकाशन का निर्णय लिया गया है। इसमें महाविद्यालय के विभिन्न आयामों एवं गतिविधियों को अद्यतन रूप में पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करने का ईमानदारी से प्रयास किया जाएगा। क्योंकि वर्तमान शैक्षणिक सत्र की अभी शुरूआत ही हुई है, अतः इस प्रथम अंक में विगत सत्र की चयनित उल्लेखनीय गतिविधियों एवं विद्यार्थियों के स्तरीय लेखन योगदानों को सम्मिलित किया जा रहा है। पाठक इसके संबंध में अपनी प्रतिक्रिया दूरभाष पर अथवा ई–मेल पर अवश्य प्रेषित करें ताकि आगामी अंकों को अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके।

(डॉ. भूपेश डी. वर्मा)
क्रिएटिव सम्पादक

(डॉ. परिहार उर्मिला मूलचन्द)
प्रधान सम्पादक

(डॉ. कमल कान्त शर्मा)
प्राचार्य

राष्ट्रीय सेवा योजना के विभिन्न आयोजनों की झलकियॉं

स्वयंसेवक अभिस्थापन कार्यक्रम की झलकियॉं

ट्रेफिक नियमों की पालना एवं जागरूकता हेतु कार्यशाला

सूचना प्राद्योगिकी के उपयोग से विस्तार व्याख्यान

मैं नारी हूँ

मै नारी हूँ उसने मुझ पर क्या–क्या जुल्म हैं ढाये

मेरे आंसू पीकर के वो अपनी प्यास बुझाये

खुद भूखी रहकर उसको भरपेट खिलाती हूँ फिर भी

कभी वो डायन कभी भिखारन कहकर मुझे बुलाये

सहती रही मैं जुल्मो–सितम को इसलिये शायद

कभी वो मारे कभी वो पीटे और कभी वो जलाये

नहीं सहूंगी अब उसके होने वाले जुल्मों को

अब टूटेगा हाथ उसी का जो वो हाथ उठाये

मधुर गुजारिश करता है ये भारत के जन–जन से

तभी बचेगा देश हमारा जब नारी को बचाये

प्रस्तुति : मनजीत ''मधुर'' सोमप्रसाद ''साहिल''

महिला सशक्तिकरण

अरुणा कुमारी

महिला सशक्तिकरण के बारे में जानने से पहले हमें ये समझ लेना चाहिये कि इसका वास्तविक मतलब क्या है। महिला सशक्तिकरण से आशय महिलाओं की उस क्षमता से है, जिससे उनमें ये योग्यता आ जाती है कि वे अपनी जीवन से जुडें सभी निर्णय ले सकती हैं।

8 मार्च को पूरे विश्व में अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हैं। महिला सशक्तिकरण को हम उसमें परिभाषित कर सकते हें, जिसमें वो अपने जीवन से जुडे हर फैसले स्वयं ले सकती है और परिवार व समाज में अच्छे से रह सके। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिये उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तिकरण है।

भारत को अग्रेजों से आजाद हुए छह दशक से भी ज्यादा समय बीत चुका है। लेकिन आज भी लिंग आधारित भेदभाव और महिला पर अत्याचारों में कोई कमी नही आई है। महिला सशक्तिकरण और महिला उत्थान के लिए आज भी ज्यादा कुछ नही किया जा रहा है। भारत मे महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सबसे पहले समाज में उनके अधिकारों और मूल्यों को मारने वाले उन सभी राक्षसी सोच का मारना जरुरी है जैसे दहेज प्रथा, यौन हिंसा, अशिक्षा, भ्रूण हत्या, असमानता, महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा, कार्य स्थल पर यौन शोषण, बाल मजदूरी वैश्यावृति, मानव तस्करी और ऐसे ही दूसरे विषय। लैगिक भेदभाव राष्ट्र में सांस्कृतिक सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक अंतर ले जाता है। जो देश को पीछे के और ढकेलता है।

जन्म से पहले ही कन्या भ्रूण हत्या की मानसिकता और फिर जन्म के बाद भी न जाने किन–किन कुरीतियों का सामना करना पडता है जो कई स्तरों पर बंटी होती है। जैसे सामाजिक–सांस्कृतिक कुरोतियाँ, महिला आशिक्षा आदि। इसे यदि धार्मिक स्तर पर देखे तो इसमे बहप्रचारित मर्यादाओं का कोई मामला नही बनता। और अगर महिला अपराध की शिकार होती है तो उसके उसके लिए उसका आधुनिक रहन–सहन ही दोषी माना जाता है।

राजस्थान राज्य की हालात तो सबसे ज्यादा खराब है। यहाँ बाल–विवाह आज भी प्रचलित है। सरकार काफी कोशिषों के बाद भी बाल–विवाह को मिटाने में सफल नही हो पायो है। सरकार हर साल नये–नये कानून बनाती है उनको पुरी तरह से लागू नही किया जाता है। महिला को सशक्त बनाने के लिए महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रुप से मजबूत होना पडेगा। महिलाओं के उत्थान के लिए एक स्वस्थ परिवार की जरुरत है जो राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिये आवश्यक है। आज भी कई पिछडे क्षेत्रों में माता–पिता को आशिक्षा, असुरक्षा और गरीबी की वजह से कम उम्र में विवाह और बच्चे पैदा करने के चलन हैं। महिलाओं के खिलाफ होने वाले दुर्व्यवहार – लैगिक भेदभाव, सामाजिक अलगाव तथा हिंसा आदि को राकने के लिए सरकार कई सारे कदम उठा रही है।

महिला सशक्तिकरण के सपने को सच करने के लिए लडकियों के महत्व और उनकी शिक्षा को प्रचारित करने की जरुरत है। इसके साथ ही हमें महिलाओं के प्रति हमारी सोच को भी बदलना होगा।

शिवगंज में खेलकूद सप्ताह का शुभारंभ

नवज्योति/शिवगंज।

शहर के राजकीय महाविद्यालय में छात्रसंघ के तत्वावधान में चल रहे खेल सप्ताह के दूसरे दिन आयोजित टेबल टेनिस प्रतियोगिता में छात्र वर्ग का खिताब सूर्यप्रकाश गोयल ने अजय सिंह को पराजित कर जीता, जबकि छात्रा वर्ग में लक्ष्मी कुमारी ने अमर कंवर को हराकर खिताब जीता।

खेल प्रभारी डॉ. भूपेश डी. वर्मा ने बताया कि सेमीफाइनल में सूर्यप्रकाश गोयल ने मंजीत परमार को तथा अजय सिंह ने महेन्द्र कुमार को हराया था। इसी तरह छात्रा वर्ग सेमीफाइनल में लक्ष्मी कुमारी ने वंदना रावल को व अमर कंवर ने रिया को पराजित किया। मुकाबलों का निर्णय पुष्प कुमार प्रजापत ने किया। इससे पूर्व खेल सप्ताह के प्रथम दिन देर शाम तक चले मुकाबलों में कुशल दवे ने गर्वित दवे को हराकर शतरंज प्रतियोगिता जीती। सेमीफाइनल में कुशल दवे ने ओमप्रकाश को तथा गर्वित दवे ने रवि परिहार को पराजित किया था। छात्रा वर्ग की कैरम प्रतियोगिता में शीला परिहार ने सुमन कुमारी को हराकर जीती।

सेमीफाइनल में शीला कुमारी ने हर्षा को व सुमन कुमारी ने काजल कुमारी को हराया था। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. बच्चू सिंह सिनसिनवार ने आभार जताया। छात्रसंघ अध्यक्ष नेहा देवड़ा, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार, महासचिव किरण कुमार, संयुक्त सचिव दीपिका कुमारी जोशी, क्रीड़ा सचिव अजय सिंह, किशन कुमार सुथार, कमलेश रामावत ने सहयोग किया। तीसरे दिन गुरुवार को लंबी कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो इत्यादि स्पर्द्धाओं का आयोजन होगा।

छात्रसंघ के तत्वावधान में खेल सप्ताह

एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

टीटी में सूर्यप्रकाश-लक्ष्मी विजेता बने

टेबल टेनिस में सूर्यप्रकाश व लक्ष्मी विजेता

खिलाड़ियों ने दिखाया दम-खम

खेलकूद विभाग के विभिन्न आयोजनों की झलकियाँ

योग शिविर की झलकियाँ

श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान की झलकियॉ

रोवर/रेंजर कैम्प की झलकियाँ

जैव विविधता को समर्पित हर–हर गंगे पारिस्थितिकी भ्रमण